लग्न: उगती राशि। दशा: ग्रहों से जुड़ी समय की अवधि। नक्षत्र: चंद्रमा के पथ का एक भाग।

नमूना रिपोर्ट · काल्पनिक व्यक्ति

आरव शर्मा का वर्षफल 2026–27

आपका छत्तीसवाँ वर्ष 15 अगस्त 2026 को सूर्योदय से ठीक पहले 05:56 पर शुरू होता है: कर्क वर्ष लग्न, उदित मुंथा, और वर्ष के अधिकारी चंद्रमा और सूर्य।

जन्म	स्थान	लग्न	राशि · नक्षत्र
15 अगस्त 1991, 06:40	Jaipur, Rajasthan, India	सिंह	तुला · चित्रा 3

इस रिपोर्ट में

01 आपकी सूर्य वापसी

02 वर्ष लग्न

03 मुंथा: वर्ष का केंद्र

04 वर्ष के अधिकारी

05 वार्षिक कुंडली में ग्रह

06 आपकी दशाओं में यह वर्ष

07 पारंपरिक उपाय

08 यह रिपोर्ट कैसे बनी

01 आपकी सूर्य वापसी

आरव, वर्षफल, यानी ताजिक वार्षिक कुंडली, हर वर्ष उस सटीक क्षण के लिए बनाई जाती है जब सूर्य उसी निरयन स्थिति में लौटते हैं जिसमें वे आपके जन्म के समय थे। वह कुंडली आपकी जन्म कुंडली और दशाओं के साथ आगे आने वाले वर्ष का वर्णन करती है।

वह क्षण जब आपका वर्ष शुरू होता है

इस वर्ष आपकी सूर्य वापसी 15 अगस्त 2026 को 00:26 UTC पर हुई, जो भारत में 05:56 है, आपके जन्मस्थान जयपुर के लिए बनाई गई। यह आपका छत्तीसवाँ वर्ष खोलती है, पैंतीसवें जन्मदिन के बाद का वर्ष, और 15 अगस्त 2027 की अगली वापसी तक चलती है।

उस क्षण सूर्य पूर्वी क्षितिज के ठीक नीचे थे, उगने वाले थे, इसलिए यह रात्रि कुंडली है। ताजिक में रात्रि कुंडली वर्ष के अधिकारियों में चंद्रमा को अधिक महत्व देती है।

> ✦ सूर्य वापसी: 15 अगस्त 2026, 05:56 IST, रात्रि कुंडली, सूर्य उगने ही वाले।

02 वर्ष लग्न

वर्ष के लिए कर्क लग्न

वर्ष लग्न कर्क है, चंद्रमा की राशि, घर, परिवार, देखभाल और भावना की राशि। आपका जन्म लग्न सिंह है, नेतृत्व और दृश्यता की राशि; कर्क का वर्ष उस बाहरी ऊर्जा को घर, भावनात्मक सुरक्षा, पारिवारिक मामलों और निकट लोगों की देखभाल की ओर मोड़ता है।

कर्क आपके जन्म लग्न से बारहवीं राशि भी है, इसलिए वर्ष में एक शांत, निजी स्वर है: विश्राम, सोच-विचार, आध्यात्मिक अभ्यास और संभवतः यात्रा। यह तालियों के पीछे भागने का नहीं, भीतरी बल बनाने का वर्ष है।

03 मुंथा: वर्ष का केंद्र

वार्षिक कुंडली के पहले भाव में मुंथा

मुंथा एक संवेदनशील बिंदु है जो हर वर्ष आपके जन्म लग्न से एक राशि आगे बढ़ता है। इस वर्ष मुंथा कर्क में है, और कर्क स्वयं वर्ष लग्न है, इसलिए मुंथा वार्षिक कुंडली के पहले भाव में है। ताजिक ग्रंथ पहले भाव में मुंथा को अनुकूल मानते हैं: वर्ष आप पर, आपके सेहत, आत्मविश्वास और नई निजी शुरुआतों पर केंद्रित रहता है।

मुंथा के स्वामी चंद्रमा हैं, और चंद्रमा वर्ष लग्न के भी स्वामी हैं। यह दोहरा ज़ोर चंद्रमा को आपके वर्ष का मुख्य ग्रह बनाता है: आपका मन, आपका घर और आप अपनी देखभाल कैसे करते हैं, यही बाकी सबका स्वर तय करता है।

> ✦ मुंथा वर्ष लग्न में उदित: आप पर केंद्रित वर्ष, और उसके मुख्य ग्रह चंद्रमा।

04 वर्ष के अधिकारी

चार अधिकारी, दो ग्रह

ताजिक वर्ष के पाँच अधिकारी बताता है, जिनमें से वर्षेश चुना जाता है। यहाँ चार दिए गए हैं: मुंथा के स्वामी, चंद्रमा; जन्म लग्न के स्वामी, सूर्य; वर्ष लग्न के स्वामी, फिर चंद्रमा; और दिन-रात्रि के स्वामी, जो रात्रि कुंडली में चंद्रमा की राशि के स्वामी होते हैं, सूर्य। पाँचवें, त्रिराशि पति, नहीं दिए गए क्योंकि ताजिक ग्रंथों में उनकी तालिका अलग-अलग है।

चारों पदों पर केवल दो ग्रह हैं: चंद्रमा और सूर्य, दोनों प्रकाश। यह स्पष्ट संकेत है। वर्ष आपसे सूर्य के मकसद, अधिकार और आत्म-बात रखने की कला के विषयों को चंद्रमा के भावना, परिवार और देखभाल के विषयों से संतुलित करने को कहता है। आपकी जन्म कुंडली में सूर्य आपके लग्न के स्वामी हैं और चंद्रमा तीसरे भाव में बैठे हैं, इसलिए यह वर्ष संवाद, लेखन और उन छोटी यात्राओं का भी पक्ष लेता है जो दोनों की सेवा करें।

05 वार्षिक कुंडली में ग्रह

इस अध्याय के भाव वार्षिक कुंडली के भाव हैं, उसके कर्क लग्न से गिने गए, आपकी जन्म कुंडली के नहीं।

वार्षिक कुंडली का पहला भाव: सूर्य, बुध और गुरु

वार्षिक कुंडली में सूर्य, बुध और गुरु तीनों कर्क, वार्षिक पहले भाव, में बैठे हैं। वर्ष लग्न में गुरु वर्षफल की सबसे शुभ स्थितियों में से एक है: ज्ञान, रक्षा, अच्छी सलाह और विकास। वहाँ सूर्य आत्मविश्वास और दृश्यता जोड़ते हैं, और बुध योजनाएँ, अध्ययन और संवाद। मिलकर ये इसे सीख और अच्छी सलाह से मार्गदर्शित निजी विकास का वर्ष बनाते हैं।

वार्षिक दूसरे भाव में चंद्रमा और केतु, तीसरे में शुक्र

वार्षिक कुंडली में चंद्रमा केतु के साथ सिंह में, परिवार, वाणी और बचत के दूसरे भाव में बैठे हैं। इस वर्ष धन और परिवार भावनात्मक रूप से महत्वपूर्ण हैं; केतु का स्वर ख़र्च में आसक्ति के बजाय सादगी माँगता है। वार्षिक कुंडली में शुक्र कन्या में, उसके तीसरे भाव में बैठे हैं, जो सुखद संवाद, रचनात्मक काम और भाई-बहनों व पड़ोसियों से अच्छे संबंधों के पक्ष में है।

वार्षिक नौवें भाव में शनि, आठवें में राहु, बारहवें में मंगल

वार्षिक कुंडली में शनि मीन में, भाग्य, गुरुओं और लंबी यात्राओं के नौवें भाव में बैठे हैं: स्थिर, अनुशासित अध्ययन और धैर्यपूर्ण दीर्घकालिक योजनाओं का फल मिलता है। वार्षिक कुंडली में राहु कुंभ में, उसके आठवें भाव में बैठे हैं, जो साझा वित्त, काग़ज़ी काम और अचानक बदलावों में सावधानी माँगता है। वार्षिक कुंडली में मंगल मिथुन में, उसके बारहवें भाव में बैठे हैं, जो यात्रा, शोध या पर्दे के पीछे के काम में लगी ऊर्जा का संकेत है; इसे निराशा के बजाय व्यायाम में लगाएँ।

भाव अनुसार सर्वाष्टकवर्ग

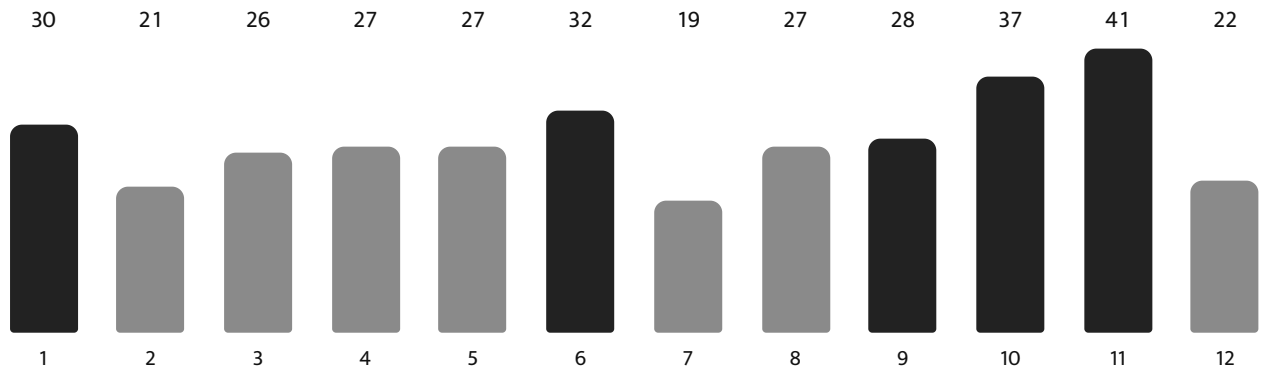

हर भाव के बिंदु (कुल 337)। 28 या अधिक पारंपरिक रूप से बलवान; 25 से कम में सावधानी।

06 आपकी दशाओं में यह वर्ष

विंशोत्तरी और योगिनी

आपकी विंशोत्तरी दशा में यह वर्ष गुरु महादशा और राहु अंतर्दशा के अंतिम महीनों से गुज़रता है, 15 अक्टूबर 2026 से 10 मार्च 2027 तक शुक्र प्रत्यंतर के साथ, फिर सूर्य, चंद्र और मंगल, और 26 अगस्त 2027 को समाप्त होता है जब आपकी शनि महादशा शुरू होती है, इस वर्ष के समाप्त होने के ग्यारह दिन बाद।

योगिनी दशा में, जो एक दूसरा, छोटा चक्र है, आप 28 नवंबर 2026 तक राहु की संकटा में हैं, और फिर 29 नवंबर 2027 तक चंद्रमा की मंगला में। मंगला परंपरा में सबसे कोमल योगिनी है, और उसके स्वामी चंद्रमा हैं: वही ग्रह जो आपकी वार्षिक कुंडली का नेतृत्व करते हैं। दोनों पद्धतियाँ एक ही दिशा दिखाती हैं, वर्ष के एक शांत, पोषण भरे दूसरे आधे की ओर।

> ✦ 28 नवंबर 2026 से चंद्रमा की मंगला योगिनी: वही ग्रह जो आपकी वार्षिक कुंडली का नेतृत्व करते हैं।

विंशोत्तरी महादशाएँ

मंगल 1991–1993	राहु 1993–2011	गुरु 2011–2027
शनि 2027–2046	बुध 2046–2063	केतु 2063–2070
शुक्र 2070–2090	सूर्य 2090–2096	चंद्र 2096–2106

07 पारंपरिक उपाय

चंद्रमा और सूर्य के लिए

वर्ष का नेतृत्व चंद्रमा कर रहे हैं, इसलिए सोमवार के अभ्यास स्वाभाविक सहारा हैं: सादा भोजन, पानी के पास समय, दूध या सफ़ेद चावल अर्पित करना, और परिवार के साथ सच्चा समय। सूर्य के लिए उगते सूर्य को जल अर्पित करें, विशेषकर रविवार को और हर अगस्त अपनी सूर्य वापसी की वर्षगाँठ पर।

बहुत-से परिवार ताजिक वर्ष की शुरुआत में सूर्य वापसी को एक छोटी पूजा या दान से चिह्नित करते हैं।

08 यह रिपोर्ट कैसे बनी

सूर्य वापसी का क्षण iAstroGuru Engine ने आपके जन्म के सूर्य से एक अंश के सौवें भाग तक निकाला है, निरयन (लाहिड़ी) स्थितियों से, और वार्षिक कुंडली आपके जन्मस्थान के लिए संपूर्ण राशि भाव से बनाई गई। मुंथा जन्म लग्न से हर वर्ष एक राशि आगे बढ़ता है। योगिनी दशा जन्म नक्षत्र से मानक 36 वर्ष के चक्र का प्रयोग करती है।

पाठ इन्हीं गणना किए गए तथ्यों से लिखा गया और जारी करने से पहले अपने आप जाँचा गया। ज्योतिष एक व्याख्यात्मक परंपरा है, और यहाँ कुछ भी चिकित्सीय, कानूनी या पैसे संबंधी सलाह नहीं है। यह नमूना एक काल्पनिक व्यक्ति, आरव शर्मा, के लिए तैयार किया गया है।

उन्नत iAstroGuru इंजन से गणना, भरोसेमंद संदर्भों से सटीकता के लिए परखी गई।
इन गणनाओं से स्वचालित व्याख्या, हर रिपोर्ट हमारी बहु-स्तरीय गुणवत्ता जाँच से परखी गई।

Shiv Shakti Software Solutions (iAstroGuru)
Digitally signed on 9 Oct 2026, 14:36 IST
Document ID IAG-CDD8-1BTJ-2HK3